

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>एवं पुर्विद्या का लेखन अपूर्ण की पत्र दिग्दर्शनी नहीं देना है अतः प्रार्थना का प्र. पत्र दिग्दर्शनी निषेधाज्ञा का भारिण निपा पाता है शुक्राद एतत् वर्ष नम्बर ३० का प्र. पत्रावली के अंतर्गत सपखण्ड ३० का प्र. चाकर</p>